MEMO NO - GCR/24/14

Date: 10.01.2024

NOTICE

GOVT. COLLEGE RITHOJ, GURUGRAM

Haryana Power Utilities, Shakti Bhawan, Sector-6 is organizing 2nd Book Fair Panchkula from 15.1.24 to 21.1.24. The following events are going to be organised:

1. एकांकी / नाट्य प्रस्तुति (दिनांक: 15 जनवरी, 2024)
2. हरियाणवी नृत्य समूहगान (दिनांक: 16 जनवरी, 2024)
3. भांड़, गिद्धा (दिनांक: 17 जनवरी, 2024)
4. चित्रकला (दिनांक: 18 जनवरी, 2024)
5. भजन (दिनांक: 19 जनवरी, 2024)
6. हिन्दी कविताओं की संगीतमय प्रस्तुति (दिनांक: 20 जनवरी 2024)
7. कविता लेखन कार्यशाला (दिनांक: 21 जनवरी, 2024)
8. कहानी लेखन (दिनांक: 21 जनवरी, 2024)
9. निबंध लेखन (दिनांक: 22 जनवरी, 2024)

Interested students may give their names to the undersigned by 13.01.2024

Priyanka

Dr. Priyanka Redhu
Incharge
Cultural Cell

Krishna 10/01/2024
for Principal
GC, Rithoj
Gurugram
10/01/2023

Scanned with CamScanner

HVPN HPGCL DHBVN UHBVN

ऊर्जा संस्कृति समिति

हरियाणा

Vidyut Pravah

...@gmail.com 0172 2565740

द्वितीय पंचकूला मेला

15 से 22 जनवरी, 2024

यवनिका, टाऊन पार्क, सैक्टर-5, पंचकूला

सेवा में

महानिदेशक
उच्च शिक्षा विभाग,
हरियाणा।

क्रमांक– 134

दिनांक– 27.12.2023

विषय– द्वितीय पंचकूला पुस्तक मेला के अवसर पर एकांकी, समूहगान, हरियाणवी नृत्य, गिद्धा, भांगड़ा, भजन, हिन्दी कविताओं की संगीतात्मक प्रस्तुति, चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में हिस्सेदारी के लिए प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थाओं को प्रेरित करने के संदर्भ में।

महोदय,

द्वितीय पंचकूला पुस्तक मेला 15 से 22 जनवरी, 2024 को यवनिका, टाऊन पार्क, सैक्टर–5 में आयोजित करके हरियाणा पॉवर युटिलिटिज, हरियाणा द्वारा ऊर्जा संस्कृति समिति के माध्यम से जश्न–ए–आजादी सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर निम्नलिखित रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थाओं से रचनात्मक भागीदारी अपेक्षित है।

एकांकी/नाट्य प्रस्तुति (दिनांकः 15 जनवरी, 2024)

ऊर्जा उत्पादन का स्रोत प्रकृति ही है, ऊर्जा उपयोग से ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। स्त्री श्रम को सुगम और सुविधाजनक बनाने में बिजली उपकरणों की ऐतिहासिक भूमिका है, अब समय आ गया है जब जलवायु परिवर्तन की चुनौती के समय में ऊर्जा संरक्षण के लिए वैकल्पिक उपायों पर जोर देते हुए एक नई जीवंत जीवन संस्कृति स्थापित की जाये। नई पीढ़ी ऊर्जा संरक्षण का वाहक बने जैसे उद्देश्यों के लिए ऊर्जा संरक्षण थीम पर एकांकी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अतः इस अवसर पर आप अपने संस्थान से विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा संरक्षण थीम पर एकांकी/लघुनाटक की प्रस्तुति सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

हरियाणवी नृत्य समूहगान (दिनांकः 16 जनवरी, 2024)

संगीत जीवन का प्रवाह है। दुख और सुख दोनो ही क्षणों में मनुष्य ने संगीत को अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया है। इसलिए नई पीढ़ी में संगीत की विरासत को सुदृढ़ करने के लिए देश प्रेम लोक, परंपरा एवं देशज जीवन शैली से संबंधित लोकगीतों की प्रतिस्पर्धा आयोजित की जा रही है। जिसमें आप अपने महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा हरियाणवी नृत्य व समूह गान की प्रस्तुति सुनिश्चित करें।

भांगड़ा, गिद्धा (दिनांकः 17 जनवरी, 2024)

हरियाणा में नृत्यगान की ऐतिहासिक एवं समृद्ध विरासत है। हरियाणवी सामूहिक नृत्यगान अपनी प्रस्तुतियों से विश्वविख्यात है। इस समृद्ध परम्परा को फिर से जीते हुए युवाओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से पुर्नप्रस्तुति के इस उत्सव में सभी महाविद्यालयों को हिस्सेदारी के लिए आमंत्रित किया जाता है।

चित्रकला (दिनांकः 18 जनवरी, 2024)

सपनो में रंग हो या जीवन में रंग, ये सभी रंग वास्तव में प्रकृति के ही विविध रूपों का दर्शन है। प्रकृति के रंगों को मानव जाति सभ्यता से आरंभिक विकास के समय से ही अभिव्यक्ति का माध्यम बनाती रही है। कला सदियों से प्रासंगिक थी और वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है। जीवन में रंग गहरे समाया हुआ है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों ने जीवन के रंग को ही नही बल्कि प्रकृति के रंग को भी फिका कर दिया है। इस लिए नई पीढ़ी के मन में प्रकृति की दशा और दिशा की समझ विकसित करने के लिए प्रकृति से रिश्ते को सुदृढ़ करने के लिए "जीवन के रंग प्रकृति के संग" थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता में भागीदारी आमंत्रित है।

Scanned with CamScanner

जन (दिनांक: 19 जनवरी, 2024)

भजन भारतीय संत परंपरा द्वारा रचित एक ऐसी सृजन यात्रा है। जो युवा मन के सपनों को उड़ान देती है। सृजन वातावरण के माध्यम से ही बालपन श्रेष्ठ नागरिक समाज का आधार बनता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समय में नई पीढ़ी प्रकृति को कैसे महसूस कर रही है, कैसे महसूस करना चाहिए, इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति के लिए युवाओं की रचनात्मक हिस्सेदारी के लिए भारतीय संतों द्वारा रचित प्रकृति वर्णन को समर्पित भजन की संगीतात्मक प्रस्तुति विविध शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों के समूह द्वारा आमंत्रित है।

हिन्दी कविताओं की संगीतात्मक प्रस्तुति (दिनांक: 20 जनवरी, 2024)

प्रकृति रचनात्मकता का आधार है। प्रकृति के रूपों की व्याख्या ही सृजन का आधार है। मनुष्य स्वभाव से ही रचनाधर्मी होता है। कविता विचार है। कविता कम से कम शब्दों में भावनाओं को प्रवाह देती है। ऐसे में प्रकृति के स्वर को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नई पीढ़ी से हिन्दी कविताओं की संगीतात्मक प्रस्तुति आमंत्रित है।

कविता लेखन कार्यशाला (दिनांक: 20 जनवरी, 2024)

कविता मनुष्य का स्वभाव है। कविताई मनुष्य की नैसर्गिक क्रिया है। भारतीय भाषाओं में अनेक संत कवि हुए हैं, जिन्होने समाज की सच्चाईयों को समय समय पर अभिव्यक्त किया है। नई पीढी को कविता के सरोकारों से जोडने के लिए कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कडी में हरियाणा के सभी महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से 10 जनवरी 2024 तक कविताएं आमंत्रित की जाती है। चयनित कवियों की हिस्सेदारी से 20 जनवरी 2024 को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन इंद्रधनुष सभागार सैक्टर-5, पंचकूला में किया जाएगा।

कहानी लेखन (दिनांक: 21 जनवरी, 2024)

कहानी युवा मन के सपनो को उड़ान देती है। सृजन वातावरण से बालपन श्रेष्ठ नागरिक समाज का आधार बनाता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समय में नई पीढ़ी प्रकृति को कैसे महसूस कर रही है, कैसे महसूस करना चाहिए के लिए युवाओं की रचनात्मक हिस्सेदारी के लिए कहानी लेखन प्रतियोगिता में कहानियां आमंत्रित है। इस कडी मे हरियाणा के सभी महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से 10 जनवरी 2024 तक कहानियां आमंत्रित की जाती है।

निबंध लेखन (दिनांक: 22 जनवरी, 2024)

निबंध एक ऐसी विधा है जो युवा मन को विषय विशेषज्ञ बनाती है। मनुष्य के लिए प्रकृति जीवन का स्रोत है। प्रकृति ही जीवन का आधार है और जीवन समाप्त होने के बाद हम प्रकृति के ही अंश हो जाते है। भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा भगवान शब्द की रचना की गई है। जिसका अक्षर अर्थ इस प्रकार है।
भ- भूमि। ग- गगन। व. वायु। अ- अग्नि। न- नीर। यानि प्रकृति ही ईश्वर का साक्षात रूप है। अतः प्रकृति के इस विराट स्वरूप पर जीवन एवं प्रकृति की रिश्तो को सम्बोधित निबंध प्रतियोगिता में रचनाएं आमंत्रित है। अतः आप से अनुरोध है कि पंचकूला में आपके अधीनस्थ सभी शिक्षण संस्थाओं की सक्रिय रचनात्मक भागीदारी के लिए 22 जनवरी, 2024 को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्देशित करने का कष्ट करें।

उपरोक्त सभी रचनात्मक प्रतियोगिताओ में प्रथम, द्वितीय एवं सांत्वना पुरस्कारों के अतिरिक्त सभी गतिविधियों में जीवंत एवं सक्रिय हिस्सेदारी के लिए शैक्षणिक संस्थाओं को चल-विजयोपहार ट्राफी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

मनोज कुमार वत्स
नोडल अधिकारी
(द्वितीय पुस्तक मेला, पंचकूला)
निदेशक
तकनीकी, एच वी पी एन एल
शक्ति भवन, पंचकूला।

Scanned with CamScanner